राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 01 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-66 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनगणना 2027 का पहला चरण आज से शुरु..... हो जाएं तैयार 33 सवालों के उत्तर देने के लिए

देश में पहली बार जनगणना में खुद अपनी जानकारी आनलाइन भरने की सुविधा

नई दिल्ली ।

जनगणना 2027 का पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल और आधुनिक तकनीक से हो रही है। पहले चरण को हाउस लिस्टिंग कहा जाएगा, जिसमें मकानों और घरों से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। मकानों की गिनती में इस बार जियो-रेफरेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे हर घर की सटीक लोकेशन सीधे डिजिटल मैप पर दर्ज होगी।

मोदी सरकार का कहना है कि इससे कोई मकान छूटेगा नहीं और किसी घर की गिनती दो बार भी नहीं होगी। हाउस लिस्टिंग के बाद फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का दूसरा चरण शुरू होगा। इस बार पहली बार आजादी के बाद जाति से जुड़ा डेटा भी जुटाया जाएगा। इससे पहले ऐसा 1931 की जनगणना में हुआ था।

जनगणना 2027 में लोगों को यह सुविधा दी गई है कि वे स्वयं अपने घर की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल पर जाना होगा।

जानकारी भरते ही स्क्रीन पर एसई आईडी दिखाई देगी, जिसे बाद में जनगणना कर्मी को दिखाना होगा। इस प्रक्रिया में ध्यान रखने योग्य कुछ बातें हैं।

एक मोबाइल नंबर से केवल एक घर रजिस्टर होगा। मुखिया का नाम बाद में बदला नहीं जा सकेगा।

मोदी सरकार से साफ कर दिया हैं कि जनगणना डेटा को अत्यंत संवेदनशील माना गया है और इस डेटा को बैंकिंग सिस्टम जैसी सुरक्षा दी जाएगी।

इसकी निगरानी नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर करेगी। डेटा को अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचे (सीआईआई) की श्रेणी में रखा गया है, जिससे यह पूरी तरह गोपनीय रहेगा और आरटीआई के दायरे से बाहर होगा।

इस डेटा को किसी सरकारी योजना या अदालत में साक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। डेटा लीक होने पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानूनों के तहत कार्रवाई होगी।

जनगणना का आधिकारिक आंकड़ा 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि के आधार पर तय माना जाएगा। जनगणना में इस बार कुछ महत्वपूर्ण बदलाव भी किए गए हैं।

अगर कोई जोड़ा लंबे समय से साथ रह रहा है, तब उस जोड़े को विवाहित युगल माना जाएगा, भले ही वे विवाह के बंधन में न बंधे हों। इसके अलावा जनगणना कर्मी आपसे मासिक आय, बैंक बैलेंस, आधार, पैन, बैंक खाता नंबर या ओटीपी जैसी निजी जानकारी नहीं पूछने वाले है।

पहले चरण में पूछे जाने वाले 33 सवाल.....जिन सवालों को तीन श्रेणियों में बांटा गया ।

बिहार में शीतला अष्टमी मंदिर में भगदड़, 8 श्रद्धालुओं की मौत, दर्जनों लोग घायल

नालंदा ।

बिहार के नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार सुबह भगदड़ की घटना में 8 लोगों की मौत हो गई और दर्जनभर से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में सभी महिलाएं बताई जा रही हैं। मृतकों में से 2 की पहचान सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की 50 वर्षीय पत्नी रीता देवी और मथुरापुर नूरसराय निवासी कमलेश प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है। घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद मंदिर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। बताया गया है कि मंगलवार सुबह शीतला अष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में जुटी थी। इसी दौरान मंदिर में भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी पहुंचे हैं और बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि भगदड़ की वजह क्या थी। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि मंदिर में काफी भीड़ थी लेकिन उस हिसाब से सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए थे। ज्ञात हो कि माघड़ा गांव, जो बिहारशरीफ से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है, में शीतला अष्टमी के दिन परंपरा के अनुसार भक्तों के घरों में चूल्हा नहीं जलता और एक दिन पहले ठंडा भोजन (बासी) माता को भोग के रूप में अर्पित किया जाता है। अष्टमी के दिन मंदिर में लंबी कतारों में भक्त माता के दर्शन के लिए आते हैं, जिससे भारी भीड़ और भगदड़ जैसी घटनाओं का खतरा रहता है।

टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद, आज से लागू होगा नया नियम

अब सिर्फ फास्टेग और यूपीआई से ही होगा टोल भुगतान, डिजिटल पेमेंट अनिवार्य

नई दिल्ली ।

देशभर में टोल भुगतान व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 1 अप्रैल से सभी टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। अब वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए केवल फास्टेग या यूपीआई का ही उपयोग करना होगा।

सरकार के इस फैसले का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को कम करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना बताया जा रहा है।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिना डिजिटल भुगतान के टोल प्लाजा पर पहुंचने वाले वाहन चालकों को जुर्माना भरना पड़ सकता है या उन्हें वापस भी लौटाया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, जिन वाहन चालकों ने अभी तक फास्टेग सक्रिय नहीं कराया है,

उन्हें तुरंत इसे अपनी गाड़ी पर लगवाना चाहिए। वहीं, स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके फोन में यूपीआई भुगतान सुविधा चालू हो।

इसके अलावा, 1 अप्रैल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े करीब 10 नए नियम लागू होंगे, जिनका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम डिजिटल इंडिया पहल को मजबूती देगा, हालांकि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में इसे लागू करने में शुरुआती चुनौतियां सामने आ सकती हैं। बदले नियमों से लोगों को खासा परेशान भी होना पड़ सकता है, जिस पर चिंता भी जाहिर की जा रही है।

चुनावी मैदान में 'फ्रीबीज' की होड़, वादों की बारिश में असली मुद्दे गायब

पांच राज्यों में लोकलुभावन घोषणाओं की प्रतिस्पर्धा, बढ़ते कर्ज और आर्थिक दबाव पर उठे सवाल

नई दिल्ली ।

देश के 05 राज्यों में मतदान की तारीख करीब आने से विधानसभा चुनावों की सरगर्मी बढ़ गई है। ऐसे में राजनीतिक दलों के बीच 'फ्रीबीज' यानी लोकलुभावन योजनाओं की होड़ तेज हो गई है। चुनावी माहौल में जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं, जिसके चलते रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल मुद्दे पीछे छूटते नजर आ रहे हैं।

इन चुनावी राज्यों में जहां भाजपा बहुसंख्यक वोटबैंक को साधने के लिए लोकलुभावन वादे किए जा रही है तो वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 'लक्ष्मी भंडार' योजना की राशि बढ़ाने और बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं, कांग्रेस ने असम में सत्ता में आने पर महिलाओं को स्वरोजगार

के लिए 50 हजार रुपये देने का वादा किया है। तमिलनाडु में एएमएमके ने किसानों की कर्ज माफी समेत 120 से अधिक वादों का ऐलान किया है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह ट्रेंड अब चुनावी राजनीति का स्थायी हिस्सा बनता जा रहा है, जहां एक दल दूसरे से अधिक आकर्षक घोषणाएं कर जनता का ध्यान खींचने की कोशिश करता है। हाल के वर्षों में बिहार विधानसभा चुनाव इसका उदाहरण रहा, जहां बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियों और आर्थिक सहायता के वादे किए गए थे।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इन 'फ्रीबीज' को अक्सर जनकल्याण के नाम पर पेश किया जाता है, लेकिन कई बार यह वोटरों को प्रभावित करने का साधन बन जाता है। मुफ्त योजनाओं के शोर में रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे जैसे अहम मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं।

ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा, बिजली बिलों में बढ़ोतरी का बोझ दिल्लीवासियों पर नहीं डालेगी सरकार

नई दिल्ली ।

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार बिजली बिलों में बढ़ोतरी का बोझ दिल्लीवासियों पर नहीं डालेगी। उन्होंने साफ संकेत दिया कि दिल्ली सरकार इस तरह के उपायों पर विचार कर रही है, जिससे निवासियों को बढ़े हुए बिजली बिलों का भुगतान करने से बचाया जा सके। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 38,000 करोड़ रुपये से अधिक के नियामक परिसंपत्ति बकाया निपटान योजना पर विचार-विमर्श कर रहा है। नियामक परिसंपत्तियाँ उन लागतों को दिखाती हैं, जो वितरण कंपनियों द्वारा बिजली दरों में आपूर्ति लागत बढ़ोतरी के बावजूद उपभोक्ताओं से तत्काल वसूल नहीं होती। दिल्ली में 2014-15 से दरों में संशोधन नहीं हुआ, जिससे भारी बकाया जमा हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह राशि उपभोक्ताओं से अधिभार के रूप में वसूली जा सकती है, जिसकी भरपाई सब्सिडी के माध्यम से की जा सकती है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सूद ने कहा कि यह समस्या पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल की देन है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर वितरण कंपनियाँ घाटे में थीं और भारी बकाया राशि जमा हो रही थी तब वे इतने वर्षों तक कैसे संचालित हुईं। प्रशासन अब वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति की जांच के लिए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऑडिट कराने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, सूद ने दिल्ली शहर में पाइप द्वारा मुहैया होने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के चार लाख कनेक्शन जल्द से जल्द देने का निर्देश दिया। दिल्ली में कुल 18 लाख पीएनजी कनेक्शन देने की क्षमता है, जिनमें से 14 लाख पहले ही आवंटित किए जा चुके हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), शहरी विकास विभाग और अन्य एजेंसियों के साथ बैठक में उन्होंने शेष चार लाख कनेक्शन जल्द वितरित करने के निर्देश दिए। इस तरह सरकार बिजली और ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू रखने के साथ-साथ नागरिकों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डालने से बचने की कोशिश कर रही है।

पश्चिम बंगाल में अधिकारियों के ट्रांसफर पर निर्वाचन आयोग को कोर्ट से राहत

याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा- मतदान से पहले प्रशासनिक तबादलों पर रोक नहीं

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर को चुनौती देने वाली जनहित याचिका कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को खारिज कर दी। निर्वाचन आयोग को राहत प्रदान करते हुए कोर्ट ने कहा कि मतदान से पहले प्रशासनिक तबादलों पर कोई रोक नहीं है। दरअसल याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया था कि मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले राज्य के प्रशासनिक कामकाज को प्रभावित करेंगे और निर्वाचन आयोग के आदेशों को निरस्त किया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं और उन्हें मनमाने तौर पर चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां

बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में आयोजित होगा। प्रथम मतदान 23 अप्रैल को और अंतिम 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। अदालत का यह निर्णय निर्वाचन आयोग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव से पहले प्रशासनिक स्थिरता बनी रहती है।

कांगड़ा में पति ने कर दी पत्नी की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या

कांगड़ा ।

हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में पति ने पत्नी की हत्या कर दी। जयसिंहपुर के कुटाहन गांव में 32 वर्षीय महिला कालटी देवी का पति सत्री ने तेजधार हथियार से गला काट दिया। हत्या को अंजाम तब दिया गया जब महिला सो रही थी। महिला के तीन बच्चे हैं, दो लड़के व एक लड़की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी व आरोपित को हिरासत में ले लिया। डीएसपी बैजनाथ संदीप शर्मा व फोरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गए थे। मृतका के परिजन जो बरोट के रहने वाले हैं मौके पर पहुंचे व आरोपितों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। आरोपित के भाई के अनुसार वहां पिछले तीन-चार दिन से परेशान था। जानकारी के अनुसार आरोपित सोमवार रात को अपने भाई के साथ झाड़-फूंक करवाने के लिए कहीं गया हुआ था व वहां से रात 12 बजे वह अपनी पत्नी काल्टी को लेकर अपने भाई के घर जो कुटाहण में रहता है, उसके पास चला गया। साढ़े तीन बजे के करीब आरोपित ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपित के भाई ने बताया कि मृतका की बेटी जो उसके साथ सोई हुई थी, उसने मुझे उठाकर बताया कि मम्मी को काट दिया है। इसके बाद तुरंत पुलिस को फोन कर दिया।

होर्मुज संकट: भारत आने वाले 28 तेल-गैस टैंकर फंसे, 94,000 टन एलपीजी के दो जहाज हैं पहुंचने वाले

इन जहाजों में मौजूद हैं 485 भारतीय नाविक

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ता दिख रहा है। फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास भारत आने वाले कुल 28 तेल और गैस टैंकर फंसे हुए हैं। इनमें 10 विदेशी झंडे वाले और 18 भारतीय झंडे वाले जहाज शामिल हैं, जो कच्चा तेल, एलपीजी और एलएनजी लेकर भारत की ओर आ रहे थे।

पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि विदेशी जहाजों में तीन एलपीजी, चार क्रूड ऑयल और तीन एलएनजी टैंकर शामिल हैं। वहीं भारतीय झंडे वाले जहाजों में एलपीजी, एलएनजी और कच्चा तेल ले जा रहे कई टैंकर होर्मुज के पास रुके हुए हैं। इन जहाजों पर कुल 485 भारतीय नाविक सवार हैं।

बताया गया कि ये जहाज उन करीब 500 जहाजों का हिस्सा हैं, जो इस रणनीतिक जलमार्ग में फंसे हुए हैं। सरकार की पहली प्राथमिकता भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में अब तक 8 भारतीय जहाजों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है।

निकाले गए जहाजों में दो प्रमुख एलपीजी टैंकर बीडब्ल्यू टीवायआर और बीडब्ल्यू ईएलएम शामिल हैं, जिनमें कुल 94,000 टन एलपीजी लदा है। इनमें से एक आज और दूसरा 1 अप्रैल तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले भी कुछ जहाज सुरक्षित पहुंच चुके हैं, जिनमें पाइन गैस और जग वसंत 92,612 टन एलपीजी लेकर 26 मार्च को भारत पहुंचे थे।

इसके अलावा एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी 16 और 17 मार्च को क्रमशः मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंचे थे। एक अन्य जहाज 'जग लाडकी' 80,886 टन कच्चा तेल लेकर यूएई से 18 मार्च को मुंद्रा पोर्ट पहुंचा था।

स्थिति की गंभीरता को देखते

हुए भारतीय नौसेना भी निगरानी में जुटी हुई है और अब तक 6 जहाजों को सुरक्षित भारत लाने में मदद की है। अधिकारियों के अनुसार, केवल होर्मुज जलडमरूमध्य ही नहीं, बल्कि इसके आसपास के क्षेत्र भी हाई-रिस्क जोन बने हुए हैं।

गुजरात में इलेक्ट्रिक वाहनों को बड़ा बढ़ावा, टैक्स में 5% छूट एक साल और बढ़ी

31 मार्च 2027 तक मिलेगी राहत, अब ईवी खरीदने पर सिर्फ 1त्न टैक्स देना होगा

अहमदाबाद ।

गुजरात सरकार और परिवहन विभाग ने राज्य में प्रदूषण कम करने और इको-फ्रेंडली वाहनों को बढ़ावा देने के लिए एक अहम फैसला लिया है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आरटीओ द्वारा दी जा रही 5 प्रतिशत टैक्स छूट को अब एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। पहले यह छूट 31 मार्च 2026 तक लागू थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दिया गया है। इस फैसले से अब राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले सभी ग्राहकों को इस विशेष टैक्स राहत का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत सबसे बड़ी राहत यह है कि जहां सामान्य तौर पर वाहन रजिस्ट्रेशन पर 6 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है, वहीं अब इलेक्ट्रिक वाहनों पर केवल 1 प्रतिशत टैक्स ही देना होगा। यानी ग्राहकों को सीधा 5 प्रतिशत का आर्थिक फायदा मिलेगा। सरकार के इस फैसले से खासकर मध्यम वर्ग के परिवारों को नया वाहन खरीदने में बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही, प्रीमियम इलेक्ट्रिक कार और टू-व्हीलर की कीमतों में भी कमी आने की संभावना है, जिससे आम लोगों के लिए ईवी खरीदना आसान होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से ऑटोमोबाइल सेक्टर में नई ऊर्जा आएगी और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम होगी और राज्य की वायु गुणवत्ता में भी सुधार होगा। सरकार की यह पहल न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

(लेखक -संजय गोस्वामी)

हनुमान जयंति 1अप्रैल 26 पर विशेष)

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।'अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारुति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम''राक्षसान्तक'' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मर्यादा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मर्यादा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अट्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मर्यादा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,' मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।' यह सुनकर हनुमानजी पर्वत के आकार के अत्यन्त विशालकाय हो गये। जामवंत के मार्गदर्शन ने हनुमानजी की लघुता को प्रभुता में सुप्तावस्था से जाग्रत अवस्था में आ गयी।परिवर्तित कर दिया। हनुमानजी की सभी शक्तियाँ हनुमानजी, श्रीरामजी के दास्यभक्ति रस में ऐसे डूबे कि स्वयं भगवान श्रीराम हनुमानजी केकृतज्ञ होकर स्वयं को उनका आजीवन ऋणी मान बैठे। हनुमान राक्षसान्तक हैं मनुष्यान्तक नहीं, इसका उदाहरण महाभारत का युद्ध है। हनुमान अर्जुनके रथ की ध्वजा पर बैठे हैं, गुरु द्रोणाचार्य और भीष्म पितामह के शस्त्र प्रहारां से पाण्डव सेनाभयभीत है। हताश-निराश अर्जुन, हनुमान से कहते हैं, 'आप इनके अस्त्र-शस्त्रों से इतने भयभीत क्यों हैं? 'हनुमान कहते हैं,' कौरवों की सेना में वीर तो हैं पर ऐसे वीर नहीं हैं जिनसे मैं युद्ध कर सकूँ। मेरी गर्जना को सुन कर तीनों लोकां के राक्षस काँपने लगते हैं। इस युद्ध में वीर तो हैं परराक्षस नहीं हैं। मनुष्यों पर बल प्रयोग और अपना पराक्रम प्रकट करने में बहुत संकोच हो रहा है। क्योंकि मैं मनुष्यान्तक नहीं हूँ।''भारत में पारथ के रथकेतु कपिराज'' हनुमान ने भीषण गर्जना करने से मना कर दिया।उन्होंने कहा, 'मैं अपनी किलकारी को भीम की गर्जना में मिला दूँगा। मेरी किलकारी का असरकौरव सेना पर ही होगा। आसपास मेंरह रहे अन्य सभी प्राणी-भयमुक्त बने रहेंगे।' हनुमान कीकिलकारी और भीम की गर्जना से कौरव सेना मूर्छित हो गयी। मूर्छा अर्जुन को भी आयी लेकिन उन पर हनुमानजी की कृपादृष्टि थी इसलिये बेहोश नहीं हुए।

संपादकीय

मां- बाप की कद्र कानूनी बाध्यता

वैसे तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिये शर्मनाक है कि जन्म देकर पालन-पोषण करने वाले मां-बाप की जीवन की सांझ में बेकद्री की जाए। फिर गुजारे भत्ते के लिये कानून-प्रशासन से मांग करनी पड़े। लेकिन यह मौजूदा समय की हकीकत है कि ऐसे किस्से गाहे-बगाहे सुनने को मिलते हैं। सही मायनों में बुढ़ापा अपने आप में बड़ी चुनौती है, जब शरीर की क्षमताओं का ह्रास होने लगता है और आय के स्रोत लगभग खत्म होने लगते हैं। सेवानिवृत्ति की जमा-पूंजी बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। उन लोगों की स्थिति तो और दुखद हो जाती है जो निजी क्षेत्र या किसी प्राइवेट काम-धंधे में लगे रहते हैं। उन्हें तो पेंशन भी नहीं मिलती। वहीं धीरे-धीरे अक्षम होता शरीर उम्रदराज होने पर लगने वाली बीमारियों का घर बन जाता है। ऐसे स्थिति में अपने जब मां-बाप की देखभाल न करें तो यह एक सामाजिक अपराध ही कहा जाएगा। जाहिर है, जब खून के रिश्ते साथ न दें तो कानून ही अंतिम सहारा रह जाता है। इस दिशा में तेलंगाना विधानसभा में पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 पूरे देश के बुजुर्गों के लिये एक नई उम्मीद जगाता है। इस राज्य की विधानसभा ने बीते रविवार वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित किया। निस्संदेह, देश में पहले से एक राष्ट्रीय कानून 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन नये विधेयक का दायरा विस्तृत है। जो पहले कानून की कुछ विसंगतियों को दूर करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के नये विधेयक के दायरे में जनप्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। यह विधेयक जन प्रतिनिधियों, सरकारी व निजी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य रूप से बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना सुनिश्चित करता है। तेलंगाना विधानसभा में पारित यह विधेयक यकीनी बनाता है कि यदि बच्चे मां-बाप की देखभाल नहीं करते तो उनके वेतन से पंद्रह फीसदी या दस हजार रुपये, जो भी कम है, शिकायत मिलने पर माता-पिता को देय राशि के रूप में काटे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अपनी चल-अचल संपत्ति बेटे के नाम करने वाले मशहूर कारोबारी विजयपत सिंघानिया की बेदखली का एक मामला चर्चा में आया था। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा और देश में प्रभावी कानून बनाए जाने की चर्चा तेज हुई थी। यह सुखद ही है कि तेलंगाना सरकार ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यह पहल की। सरकार का कथन है कि समाज में नैतिक दायित्वों को बढ़ावा देना इस विधेयक का मकसद है। यदि बच्चे अपना दायित्व नहीं निभाते तो कानून के जरिये उन्हें इसके लिये बाध्य किया जा सकेगा। इस विधेयक में प्रावधान है कि बच्चों द्वारा मां-बाप का भरण-पोषण न करने पर वे जिला कलेक्टर के सामने आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि यह कानून न केवल सरकारी कर्मचारियों पर बल्कि निजी क्षेत्र के कर्मियों, सांसदों, विधायकों, मनोनीत सदस्यों तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भी लागू होगा।

मैनेजमेंट गुरु हनुमानः असंभव को संभव बनाने की शक्ति एवं संकल्प

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

1 अप्रैल हनुमान जयंती)

आज जब चैत्र मास की पूर्णिमा का चंद्रमा अपनी पूरी आभा के साथ आकाश में उदित होगा, तो धरती पर एक ऐसी ऊर्जा का संचार होगा जो सदियों से भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसी है। यह दिन केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं है, बल्कि उस महाशक्ति के अवतरण का उत्सव है जिसे हम हनुमान कहते हैं। हनुमान जी का व्यक्तित्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है; वे घर-घर के रक्षक, संकटों के नाशक और हर व्याकुल हृदय के परम साथी हैं। उनकी महिमा का गान जितना सरल है, उनका जीवन दर्शन उतना ही गहरा और प्रेरणादायी है। उनकी सबसे बड़ी सुंदरता उनकी निस्वार्थ भक्ति में छिपी है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि ईश्वर को पाने के लिए किसी कठिन आडंबर की नहीं, बल्कि निर्मल मन और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है।

एक ओर जहाँ उनके पास लंका को भस्म करने और समुद्र को एक छलांग में लांघने की असीम शक्ति थी, वहीं दूसरी ओर वे प्रभु राम के चरणों में एक अबोध बालक की भांति विनत रहते थे। उनकी शक्ति में कोई अहंकार नहीं था और उनकी विनम्रता में कोई कमजोरी नहीं थी। जब उनसे उनकी अद्भुत सामर्थ्य का रहस्य पूछा गया, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा कि जो कुछ भी है, वह केवल राम नाम की महिमा है। यह शून्य हो जाने का भाव ही उन्हें ब्रह्मांड का सबसे बड़ा भक्त बनाता है। अक्सर हम शक्ति को अधिकार और अधिपत्य से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हनुमान जी ने शक्ति की परिभाषा ही बदल दी। उनके पास अष्ट सिद्धि और नव निधि का वरदान था, जिससे वे सूक्ष्म से सूक्ष्म और विशाल से विशाल रूप धर सकते थे, किंतु उन्होंने इस सामर्थ्य का उपयोग केवल जनकल्याण और प्रभु काज के लिए किया। यह संयम आज के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी सीख है कि शक्ति जितनी अधिक हो, विनम्रता उतनी ही गहरी होनी चाहिए।

जब हम सुंदरकांड के प्रसंगों को पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि हनुमान जी केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक चतुर कूटनीतिज्ञ और संवाद के ज्ञाता भी थे। लंका में विभीषण को अपनी ओर मिलाना हो या रावण की सभा में निर्भीकता से अपनी बात रखना, उनकी वाकपटुता बेमिसाल थी। वे सिखाते हैं कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धैर्य नहीं खोना चाहिए और शत्रु के घर में भी मित्र ढूँढने की दृष्टि रखनी चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धी युग में, जहाँ छोटी-छोटी असफलताओं पर लोग टूट जाते हैं, हनुमान जी का अटूट आत्मविश्वास एक संजीवनी की तरह काम करता है। उनका चरित्र हमें टीम वर्क और समर्पण की अनूठी शिक्षा देता है। लंका विजय के महाभियान में उन्होंने कभी भी श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। जब भगवान राम ने उन्हें गले लगाया और भरत के समान प्रिय कहा, तब भी वे हाथ जोड़कर चरणों में ही बैठे रहे। यह दर्शाता है कि सच्चा सेवक वही है जो परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे और सफलता का श्रेय अपने आराध्य को सौंप दे।

आज के इस भागदौड़ भरे युग में हनुमान जी एक मैनेजमेंट गुरु की तरह नजर आते हैं। लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, मार्ग में कितनी भी बाधाएँ क्यों न आएं, हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि बुद्धि और पराक्रम के सही संतुलन से हर मुश्किल को जीता जा सकता है। लक्ष्मण जी के प्राण बचाने के लिए पूरी पहाड़ी उठा लाना यह दर्शाता है कि जब अपनों पर संकट आए, तो असंभव शब्द डिक्शनरी से बाहर कर देना चाहिए।

वे युवाओं के लिए एकाग्रता और अनुशासन के जीते-जागते उदाहरण हैं। उनकी लंगोट का त्याग और सिंदूरी चोला हमें सादगी और सात्विकता का मार्ग दिखाता है। हनुमान जयंती मनाना केवल मंदिरों में चोला चढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आज के दौर में जब समाज में स्वार्थ बढ़ रहा है, तब हनुमान जी का सेवा परमो धर्म का संदेश एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। हनुमान जी एक ऐसी वैश्विक चेतना हैं जो सीमाओं और मजहबों से परे है। दुनिया के कई देशों में उन्हें अलग-अलग नामों से पूजा जाता है, क्योंकि संकट हर इंसान के जीवन में आता है और हर इंसान को एक संकटमोचन की तलाश होती है। वे भय से मुक्ति का मार्ग हैं। जब हम नासै रोग हरै सब पीरा का जाप करते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक अटूट विश्वास होता है जो हमारी कोशिकाओं में नई ऊर्जा भर देता है। हनुमान जी का नाम ही पर्याप्त है मन के हर संशय और दुर्बलता को मिटाने के लिए। जैसे-जैसे आज का दिन चढ़ेगा, हर ओर जय सिया राम के उद्घोष गूंजेंगे। लेकिन सच्ची पूजा तब होगी, जब हम उनके साहस को अपने आचरण में और उनकी करुणा को अपने व्यवहार में उतारेंगे। हनुमान जी चिरंजीवी हैं, वे कल भी थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। वे हर उस व्यक्ति के साथ हैं जो धर्म और सत्य की राह पर अडिग है।

(लेखक पत्रकार हैं)

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

विचार मंथन

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

(लेखक- सनत जैन)

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी।

रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है। बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। बैंकों ने पुराने लेनदेन और डॉलर मुद्रा के निवेश पर इस सीमा से बाहर रखने की मांग की है। बैंकों का सुझाव है, नए सौदों पर यह नियम लागू किए जाएं, ताकि धीरे-धीरे डॉलर मुद्रा के लेन-देन को लेकर संतुलन बनाया जा सके।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई का यह कदम जरूरी था। सट्टेबाजी के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा था। रिजर्व बैंक ने एक ही बार में हथोड़ा पटक दिया है। इस सीमा को चरणबद्ध तरीके से लागू करना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकता है। बैंकों की मांग नाजायज नहीं है। शेयर बाजार और बैंकों के निवेश में वह आकर्षण नहीं था जो डॉलर मुद्रा पर था जिसके कारण भारत में डॉलर मुद्रा को लेकर सट्टेबाजी बड़ी मात्रा में हो रही थी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मदद कितने समय तक रहेगी इसका कोई आकलन रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया। इसे जल्दबाजी में उठाया गया एक कदम माना जा सकता है। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक को इस पर गंभीरता से विचार विमर्श करने की जरूरत है। भारत के आयात-निर्यात व्यापार में एवं अन्य लेन-देन में डॉलर मुद्रा का अपना वजूद है। भारत में यदि डॉलर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होगा, ऐसी स्थिति में और भी कई तरीके की मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

बैंकों द्वारा यदि डॉलर मुद्रा की निकासी बहुत कम समय में की गई तो ऐसी स्थिति में बैंकों को भारी नुकसान हो सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद के अंदर जिस तरह से विश्वास के साथ कहा है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए सरकार कार्यवाही कर रही है। इसका असर बाजार में देखने को मिला है। यह कितने समय तक रहेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(नई दिल्ली) एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया - भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर

मंगलवार को जारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर है और छोट अवधि का ऋण विदेशी मुद्रा भंडार के 20 प्रतिशत के बराबर है, जिससे रुपए को सहारा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पर्याप्त जगह मिलती है। हालांकि, रिसर्च फर्म ने चेतावनी दी कि अस्थिर पूंजी प्रवाह और तेल की ऊंची कीमतें निकट भविष्य के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं और तेल विपणन कंपनियों के लिए 250-300 मिलियन डॉलर की दैनिक मांग को पूरा करने के लिए एक विशेष डॉलर विंडो सहित कई नीतिगत उपायों का आग्रह किया।

रिपोर्ट में कहा गया, इससे वास्तविक विदेशी मुद्रा की मांग और आपूर्ति की गतिशीलता पर बेहतर स्पष्टता प्राप्त होगी और अनावश्यक अस्थिरता को रोकने के लिए नियामक द्वारा शुरू किए गए विभिन्न उपायों की प्रभावशीलता को मापने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि केवल ट्रेडिंग बुक पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा लगाई जानी चाहिए, न कि पूरे बैंक बुक स्तर पर, क्योंकि इससे परिचालन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं।

इसमें अल्पकालिक यील्ड बढ़ाने और दीर्घकालिक यील्ड घटाने के लिए ऑपरेशन ट्विस्ट का सुझाव दिया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विभिन्न संदर्भ दरें निर्धारित सीमा के भीतर रहें और नीतिगत दर के अनुरूप हों।

केंद्रीय बैंक ने रुपए को सहारा देने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन फर्म ने बाहरी बाजारों से मांग वाली मुद्राओं को लाकर और वैकल्पिक तंत्रों (जैसे ओएमसी के लिए एक विशेष यूएसडी विंडो) को शामिल करके हस्तक्षेपों में तेजी लाने का आग्रह किया है, क्योंकि रुपए में गिरावट देश के मैक्रो फंडामेंटल्स से काफी अधिक है।

कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है। सप्लाई में बाधा के कारण बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई,

जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक उछाल है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 58 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधा कीमतों को और ऊँचा रख सकती है।

सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस एसएमई का आईपीओ अगले सप्ताह खुलेगा

- 75 से 80 रुपये में मिलेंगे शेयर, जानें तारीख और

अन्य डिटेल

मुंबई ।

इस सप्ताह कोई नया आईपीओ लॉन्च नहीं हो रहा है, लेकिन अगले सप्ताह अप्रैल माह का पहला एसएमई आईपीओ एसएमई सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिसाइस के सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होगा। यह इश्यू कंपनी का फ्रेश इश्यू है, यानी आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के बिजनेस विस्तार में लगेगी। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 48 करोड़ रुपये जुटाएगी। प्राइस बैंड 75 से 80 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कुल 60 लाख शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ 6 अप्रैल को खुलकर 8 अप्रैल तक निवेशकों के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट में 1,600 शेयर रखे गए हैं, जिसकी लागत करीब 2,56,000 रुपए है। एचएनआई निवेशकों के लिए कम से कम 3 लॉट यानी 4,800 शेयर खरीदना आवश्यक होगा, जिसकी कुल लागत लगभग 3,84,000 रुपए है। इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर सेक्टर में संभावित ग्रोथ को देखते हुए, यह आईपीओ निवेशकों के लिए एक संभावित अवसर पेश कर सकता है। फ्रेश इश्यू होने के कारण, जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के व्यवसाय में निवेश होगी। हालांकि, रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश काफी बड़ा है, इसलिए निवेश से पहले पूंजी योजना और जोखिम को ध्यान में रखना आवश्यक है।

डंकिन के साथ 'फ्रेंचाइजी'समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवक्र्स

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी कॉफी और डोनट ब्रांड डंकिन के साथ अपने फ्रेंचाइजी समझौते को नवीनीकृत न करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 24 फरवरी 2011 को किए गए मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट की अवधि 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। जेएफएल ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से स्टोर्स बंद करने या संचालन में बदलाव करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसमें परिसंपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, या फ्रेंचाइजी अधिकारों का हस्तांतरण शामिल हो सकता है। सभी कदम डंकिन के मालिकों के परामर्श और कानूनी व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे। जुबिलेंट फूडवर्क्स के 3,500 से अधिक स्टोर्स भारत और पांच अन्य देशों में हैं। समूह के पोर्टफोलियो में डोमिनोज़ पिज़्ज़ा, पोपायज़ और तुर्की में होंग्स किचन तथा कैफे-कोफी ब्रांड शामिल हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम जेएफएल की वैश्विक रणनीति और प्रमुख ब्रांडों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में है।

मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने` मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे बेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के तेल ठिकानों पर हमले की चेतावनी ने बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। आईएमएफ ने कहा है कि संकट सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों से फर्टिलाइजर सप्लाई में रुकावट और महंगे ईंधन के कारण कृषि लागत बढ़ेगी। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, खासकर उन देशों में जहाँ परिवार अपनी आय का लगभग 36 फीसदी भोजन पर खर्च करते हैं। अगर संघर्ष लंबा

खिंचता है, तो दुनिया को स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास धीमा होता है। इससे कर्ज महंगा होगा और वैश्विक आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। तेल आयातक बड़े देश जैसे भारत और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं, जो बाहरी कच्चे माल पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होंगी। आईएमएफ का कहना है कि असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह तनाव कितने समय तक चलता है।

सत्या ने 600 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया दस्तावेज

नई दिल्ली ।

तमिलनाडु स्थित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और टिकाऊ वस्तुओं की खुदरा कंपनी सत्या एजेंसीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए कुल 600 करोड़ रुपये जुटाना है। दस्तावेजों के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 600 करोड़ रुपए का है। इसमें 300 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से जुटाए जाएंगे और 300 करोड़ रुपए शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) से आएंगे। इस तरह कुल निर्गम का आकार 600 करोड़ रुपए का होगा। कंपनी ने कहा है कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ मौजूदा ऋणों का भुगतान या पूर्व भुगतान करने, अपनी अनुषंगी कंपनी यूनिलेट अप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आंशिक राशि का भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सत्या एजेंसीज लिमिटेड की स्थापना 2005 में हुई थी। यह कंपनी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक्स के खुदरा व्यवसाय में सक्रिय है। यह आईपीओ कंपनी के विस्तार और वित्तीय स्थिति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स ने केडब्ल्यूआईएल में 61.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

– नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ के शेयर खरीदे

नई दिल्ली।

द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी नीदरलैंड्स बीवी ने क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल) में 61.9 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने 30 मार्च 2026 को शेयर बाजार को सूचित किया कि नए प्रवर्तक ने शेयर खरीद समझौते और अन्य लागू नियमों के तहत पूर्व प्रवर्तकों से निर्धारित शेयर खरीदे। इस लेन-देन के बाद मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर चुका है और इसे सूचीबद्धता नियमों के अनुसार नए प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पूर्व प्रवर्तक यूनिलीवर पीएलसी और अन्य साझेदार अब प्रवर्तक श्रेणी से हटकर सार्वजनिक श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिए गए हैं। इस अधिग्रहण के लिए मूल समझौता 25 जून 2025 को किया गया था, जिसमें मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स और यूनिलीवर पीएलसी सहित अन्य पक्ष शामिल थे। नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदे, जो केडब्ल्यूआईएल की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत है।

अधिग्रहण के बाद कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन में भी बदलाव किए हैं। अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) और निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं ऋतेश तिवारी ने अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) के पद से इस्तीफा दे दिया है।

ष्ठद्दद्दश्चद्दड्ड स्न1द्दहृद्धद्दह्यद्बट्टद्द को दोहरी सफलता

-एनएचएआई ने एमपी-राजस्थान में किया पुनः सूचीबद्ध

इंदौर ।

मध्य भारत की अग्रणी विज्ञापन एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग ने वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने एजेंसी को मध्यप्रदेश और राजस्थान क्षेत्रों के लिए पुनः एम्पैनल (सूचीबद्ध) किया है। इस दोहरी सफलता को एजेंसी की रचनात्मक उत्कृष्टता और इवेंट मैनेजमेंट में मजबूत पकड़ का प्रमाण माना जा रहा है।एजेंसी के प्रबंध निदेशक दीपक जेठा ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह 29 वर्षों की निरंतर मेहनत, नवाचार और क्लाइंट्स के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सहित देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।दीपक एडवरटाइजिंग की इस सफल यात्रा में अब तक 190 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। इनमें 'एजेंसी ऑफ द ईयर', समिट इंटरनेशनल क्रिएटिव अवॉर्ड्स (5 बार), ढ्ढहस्न मान्यता और प्रसार भारती/सीबीएस मान्यता जैसी प्रतिष्ठित उपलब्धियां शामिल हैं। पिछले वर्ष एजेंसी ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक संभाले, जिनमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एनएचएआई इवेंट्स, वंदे भारत एक्सप्रेस लॉन्च, द्वारका एक्सप्रेसवे उद्घाटन, वेस्ट सेंट्रल और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के कार्यक्रम, क्रेडाई प्रॉपर्टी फेयर और डीपी ज्वेलर्स रतलाम शोरूम लॉन्च शामिल हैं। दीपक जेठा ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक बाजार की चुनौतियों को समझकर सही निर्णय लेने वाले क्लाइंट्स ही सफलता हासिल करेंगे और भारत की विकास यात्रा आगे भी मजबूत बनी रहेगी।

मंगला कुप्पा बनीं अमेरिकी श्रम मंत्रालय की मुख्य सूचना अधिकारी

- भारतीय मूल की वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ की औपचारिक नियुक्ति

ह्यूस्टन ।

भारतीय मूल की तकनीकी विशेषज्ञ मंगला कुप्पा को अमेरिका के श्रम मंत्रालय का मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) नियुक्त किया गया है। वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी। उनके नेतृत्व में मंत्रालय का आधुनिकीकरण कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने मंत्रालय में कई वरिष्ठ पदों पर काम किया, जिनमें मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी

और बिजनेस एप्लीकेशन सर्विसेज की निदेशक शामिल हैं। कुप्पा ने 2010 में श्रम मंत्रालय से जुड़ी और उससे पहले एक दशक से अधिक समय तक श्रम सांख्यिकी ब्यूरो में काम किया। उन्होंने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव रखती हैं। उनकी नियुक्ति अमेरिकी प्रशासन में भारतीय मूल के पेशेवरों की बढ़ती भागीदारी और तकनीकी नेतृत्व में विविधता को दर्शाती है।

सेबी ने एलीटकॉन इंटरनेशनल और पांच लोगों पर लगाया बाजार में हेरफेर का आरोप

– सेबी ने शेयरों की खरीद–फरोख्त से लगाई रोक, बैंक व डीमैट खातों को फ्रीज करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया। सेबी ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तक और अन्य पक्ष ऊंची कीमत पर अपने शेयर बेचते रहे, जबकि कंपनी और उसके निदेशक निवेशकों को केवल सकारात्मक वित्तीय और परिचालन जानकारी दे रहे थे। इस प्रक्रिया में कथित तौर पर कुल 51.26 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। नियामक ने आरोप लगाया कि कंपनी ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी, जैसे कि जीएसटी से जुड़े मुद्दे, निवेशकों से छुपाई। इसके परिणामस्वरूप बाजार में कृत्रिम सकारात्मक धारणा बनी और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया। सेबी के अनुसार, ऐसा चयनात्मक खुलासा शेयर कीमत को सहारा देने और निवेशकों का लाभ उठाने की

योजना की ओर संकेत करता है। सेबी ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और कंपनी के वास्तविक वित्तीय हालात का पता लगाने के लिए फोरेंसिक लेखा परीक्षा कराई जाएगी। प्रतिबंधित व्यक्तियों को अपनी संपत्तियों और निवेशों का विवरण देने का भी आदेश दिया गया है। सेबी ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कथित गैरकानूनी लाभ के दुरुपयोग को रोकना और निवेशकों के हित की रक्षा करना है। प्रवर्तक और अन्य संबंधित इकाइयों पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

महावीर जयंती पर 31 मार्च को शेयर बाजार बंद

मुंबई ।

महावीर जयंती के अवसर पर 31 मार्च मंगलवार को बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार पूरी तरह बंद है। इक्विटी, डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट में न ट्रेडिंग होगी और न सेटलमेंट।

यह दिन सेटलमेंट हॉलिडे भी है, जिससे सभी गतिविधियां ठप हैं।

कमोडिटी बाजार में नेशनल कमो डिटी एंड डे रिवे टिव्स (एनसीडीईएक्स) बंद रहेगा, जबकि मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) में शाम सत्र से कारोबार शुरू होगा। इससे पहले पिछले सत्र में घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट दर्ज हुई।` निफ्टी 50 2.14 फीसदी गिरकर 22,331.40 और बीएसई सेंसेक्स 2.22 फीसदी टूटकर 71,947.55 पर बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान तनाव से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ, जिससे बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव दिखा।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद भी कंप नियां लाभ में नहीं

नई दिल्ली ।

सरकार ने 27 मार्च से पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई। इससे आम लोगों को राहत मिली है और कंपनियों का घाटा घटकर 17-28 रुपये प्रति लीटर रह गया है। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह लाभ में नहीं हैं। रिफाइनरी कंपनियों पर डीजल पर 21.5 रुपये और एयरक्राफ्ट फ्यूल पर 29.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स लगाया गया। अपस्ट्रीम कंपनियों को टैक्स से बाहर रखा गया है। एक्साइज ड्यूटी कटौती से हर 15 दिन में 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, जबकि विंडफॉल टैक्स से 1,500 करोड़ रुपये की कमाई होगी। कंपनियों को संतुलन में लाने के लिए तेल की कीमत 75 डॉलर/बैरल तक आनी चाहिए या कीमतों में 20 रुपये से अे धिक प्रे ति लीटर बढ़ोतरी करनी होगी। रिलायंस जैसी रिफाइनरी कंपनियां मजबूत बनी हैं और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्षन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐसें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी।. राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार

प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे. वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.25 का रहा था। इस बार भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सत्र में टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं पूरन अपने बल पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जाइंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडिगी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख ।

खान, एनरिक नॉर्टजे, मयंक यादव और मोहसिन खान के रूप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। वहीं, स्पिन की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी संभालेंगे, जिनका प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा रहा था।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

-आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.44 रन था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज बुरी तरह असफल रहे।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा। पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेज ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाज़ी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था। खेल में आप किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई । मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे। सूर्या ने इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे। इसके बाद से ही कई सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है। जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये। सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया। जिससे वह चोट से बचे रहें। जयवर्धने के अनुसार वह फील्डिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नहीं लेना चाहता था।

कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा-समझा फैसला था। सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गुवाहाटी । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं। अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है। टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है। वहीं मैच को लेकर

उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं। इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे। हमारे टीम के लिए जोफा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था। तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे। स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी।' उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे। हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे। उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था। पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी। एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये। वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये। मध्य क्रम भी असफल रहा। इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये। युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए। केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये। ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनुसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही

से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। पर इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर आगे नहीं बढ़ा। हैदराबाद, गुजरात के बाद अब वह केकेआर से खेल रहे हैं। टीम अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है जिसमें भी उन्हें अवसर मिलना तय है। ऐसे में इस युवा के पास उस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन का टीम को जीत दिलाने का अवसर रहेगा।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो । जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने । भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

सीएसके के खिलाफ आक्रामक पारी के बाद बोले वैभव सूर्यवंशी, मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 15 गेंदों में अर्धशतक से की, जो इसलिए भी खास था क्योंकि उसी पिच पर चेन्नई सुपर किंग्स सिर्फ 127 रन पर ऑलआउट हो गई थी। सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की योजना पावरप्ले का पूरा फायदा उठाने की थी, इसलिए उन्होंने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वह डिफेंस के बारे में भी सोचते हैं।

राजस्थान की 8 विकेट की जीत के बाद सूर्यवंशी ने कहा, 'हमारी योजना थी कि हम पावरप्ले को अच्छी तरह एग्जिक्यूट करें। शुरुआत में विकेट थोड़ा धीमा लग रहा था, लेकिन बाद में गेंद पुरानी होने पर बल्ले पर अच्छे से आने लगी। मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं, लेकिन आज हमारा प्लान पावरप्ले में खेलने का था। छोटे टारगेट में मैच पावरप्ले में ही तय हो जाता है। अगर बॉलिंग टीम पावरप्ले में अच्छा करती, तो मैच उनके पक्ष में जा सकता था। लेकिन हम सभी ने पूरी तरह अटैक किया और हमारा पावरप्ले अच्छा गया।'

सूर्यवंशी को पहली ही गेंद पर CSK के डेब्यू खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने कैच छोड़ दिया था, जो डीप मिडविकेट पर एक मुश्किल मौका था। उन्होंने पावरप्ले खत्म होने तक 16 गेंदों में 52 रन बना लिए जिसमें 5 छक्के और चार चौके शामिल थे। क्रक्का स्कोर 6 ओवर में 70 रन था। उन्होंने कहा कि RR मैनेजमेंट ने उन्हें अपना नेचुरल गेम खेलने की आजादी दी और सीजन से पहले उनकी तैयारी भी अच्छी रही।

इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने बस कहा कि हम तुम्हें सपोर्ट कर रहे हैं, तुम अपना नेचुरल गेम खेलो। उन्होंने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। प्रैक्टिस भी अच्छी रही। हम यहां थोड़ा पहले आ गए थे, इसलिए तैयारी अच्छी हुई। उन्होंने कहा कि बस अपना गेम खेलो, सिचुएशन पढ़ो और खेलो। बाकी अपने गेम पर भरोसा रखो।' गौर हो कि सूर्यवंशी ने 2025 में 14 साल की उम्र में IPL डेब्यू किया था। उन्होंने क्रक्के लिए 7 मैच खेले, IPL इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक (35 गेंद) लगाया और सीजन में 252 रन 206.55 के स्ट्राइक रेट से बनाए।

Credit : X @VinitYaduvnsh

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की राह पर यूरोपीय संघ

लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राह पर चल पड़ा है। 27 देशों के इस समूह में ट्रंप की आव्रजन नीतियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना हुई थी और अब यह समूह प्रवासियों का पता लगाने, उनके खिलाफ छापेमारी व उन्हें निर्वासित करने की अपनी शक्तियों का विस्तार कर रहा है। यह समूह प्रवासियों को अफ्रीका और अन्य जगहों के तीसरे देशों में स्थित वापसी केंद्रों में भेजेगा। 2024 में कुछ देशों में दक्षिणपंथी दलों के सत्ता में आने के बाद से यूरोपीय संघ प्रवासन नीतियों को और सख्त कर रहा है। यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि नए उपायों से सीरिया में गृहयुद्ध के कारण 2015 में उत्पन्न संकट की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मदद के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति बाधाओं को दूर करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत ने शनिवार को कोलंबो में 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप भेजी। दिसानायके ने सोशल मीडिया पर भारत की त्वरित सहायता की सराहना की और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बेहतर समन्वय के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया।

चीन के जातीय एकता कानून से तिब्बत में पहचान का संकट

बीजिंग, एजेंसी। चीन द्वारा लागू किए गए नए जातीय ढांचे ने तिब्बत में सांस्कृतिक और भाषाई अस्तित्व पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के प्रतिनिधियों ने चेक गणराज्य में उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान इस मुद्दे को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यह कानून तिब्बती भाषा, धार्मिक प्रथाओं और पहचान को मिटाकर जबरन आत्मसात करने की कोशिश है। चेक गणराज्य के सांसदों और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने तिब्बत की जमीनी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया है।

बैक टू द फ्यूचर फेम अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाने वाले दिग्गज अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके एजेंट जॉन अल्कांतार ने शनिवार को बताया कि टोल्कन ने न्यूयॉर्क के लेक प्लेसिड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बैक टू द फ्यूचर की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार उनका निधन प्राकृतिक तरीके से हुआ।

खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश का कहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश और तेज हवाओं ने कहर मचा दिया है। अलग-अलग हादसों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुआ, जहां तेज बारिश के कारण कई इमारतें गिर गईं। बन्नू के कोटका गुलाम कादिर इलाके में एक मस्जिद का बरामदा गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। ये लोग बारिश से बचने के लिए वहां रुके हुए थे। वहीं, एक अन्य घटना में जर्जर घर की छत गिरने से तीन बच्चों की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पंजाब के लाहौर के बादामी बाग इलाके में भी एक घर की छत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इसके अलावा बहावलपुर में एक 70 साल के बुजुर्ग की फिसलकर गिरने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं, गरज-चमक और भारी बारिश जारी रह सकती है। इससे बाढ़ जैसे हालात बनने का खतरा भी बढ़ गया है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका रणनीति : देश की सुरक्षा का जिक्र कर बोले हेगसेथ, कहा- हमारा दायरा ग्रीनलैंड से गुयाना तक!

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को उत्तरी गोलार्ध में सुरक्षा ढांचे को फिर से परिभाषित करने वाला नया 'ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका' रणनीति का एलान किया। उन्होंने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई दिशा बताया। हेगसेथ ने फ्लोरिडा के डोरल स्थित यूएस सदर्न कमांड मुख्यालय में कहा कि इस रणनीति का दायरा ग्रीनलैंड से अमेरिका की खाड़ी और फिर पनामा नहर तक है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को 'तत्काल सुरक्षा सीमा' में शामिल किया गया है।

ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर, खार्ग द्वीप पर कर सकता है कब्जा, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। पिछले एक महीने से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान का तेल लेना चाहते हैं और देश के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर सकते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज ईरान का तेल लेना है।' उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला से की, जहां वाशिंगटन जनवरी में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के बाद कथित तौर पर तेल उद्योग पर लंबे समय तक नियंत्रण रखना चाहता है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का तेल लेने का मतलब होगा खार्ग द्वीप पर कब्जा करना, जिसके जरिए ईरान के 90 प्रतिशत से ज्यादा तेल का निर्यात होता है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि इस तरह के हमले से हताहतों की संख्या बढ़ने और युद्ध लंबा खिंचने का खतरा है। रिपोर्ट में ट्रंप के हवाले से कहा गया, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है न करें। हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।' उन्होंने कहा, 'इसका यह भी मतलब होगा कि हमें वहां कुछ समय तक रहना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि उनका मानना है कि द्वीप पर ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बहुत कम या बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत आसानी से इस पर कब्जा कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है और ईरान से लगभग 1,000 पाउंड यूरेनियम निकालने के लिए संभावित सैन्य अभियान पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की सोच से परिचित एक अज्ञात सूत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि उन्होंने अपने सलाहकारों को इस बात के लिए दबाव डालने को भी कहा है कि ईरान युद्ध खत्म करने की शर्त के तौर पर यह सामग्री सौंपने पर राजी हो जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन इस क्षेत्र में 10,000 तक अतिरिक्त सैनिक तैनात कर रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को घोषणा की कि 2,500 मरीन सहित 3,500 से ज्यादा सैनिक मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। इस खतरे के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान के जरिए चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत में प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, 'बहुत जल्द कोई समझौता हो सकता है। गौरतलब है कि इजरायल और अमेरिकी की ईरान के साथ लड़ाई को एक महीने से अधिक समय हो गया है। 28 फरवरी को यह जंग शुरू हुई थी। इसके बाद दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 119.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो जून 2022 के बाद से सबसे ज्यादा है।

इजराइल ने हाइफा शहर पर दागे गए 5 रॉकेट मार गिराए : इजराइल की सेना ने बताया कि शहर हाइफा को निशाना बनाकर दागे गए 5 रॉकेट्स को हवा में ही रोक लिया गया। सभी रॉकेट इंटरसेप्ट कर दिए गए और किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके अलावा, दक्षिण के महत्वपूर्ण शहर इलात के ऊपर दो ड्रोन भी मार गिराए गए।

ईरान ने मिसाइल हमलों का एआई वीडियो जारी किया : ईरान के सरकारी मीडिया ने एक नया एआई से बना वीडियो जारी किया है, जिसमें नई मिसाइल हमलों की लहर दिखाई गई है। यह वीडियो मेहर न्यूज एजेंसी ने जारी किया गया। वीडियो में एक सैन्य बैठक दिखाई गई है, जिसमें सुप्रीम कमांडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को दिखाया गया है। इसके बाद मिसाइल लॉन्च, शहरों में धमाके और ईरानी सैनिकों को यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद की ओर बढ़ते हुए दिखाया गया है। यह पहली बार नहीं है। पिछले हफ्ते भी ईरान के सरकारी मीडिया ने 'वन वेंजेंस फॉर ऑल' नाम का एक॰द्ध वीडियो जारी किया था, जिसमें अमेरिका से जुड़े युद्धों हिरोशिमा, वियतनाम, यमन, अफगानिस्तान, इराक, गाजा और फिलिस्तीन को दिखाया गया था।

ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले तेज किए : खाड़ी देशों में पिछले कुछ घंटों में हमलों की संख्या बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में सायरन बजने की आवाजें सुनी गईं और हमलों को हवा में ही रोकते हुए वीडियो भी सामने आए हैं। बहरीन में भी कई बार अलर्ट जारी हुआ और लोगों ने कई धमाकों की आवाज सुनी। सऊदी अरब ने बताया कि उसके पूर्वी इलाके में 5 बैलिस्टिक मिसाइल और 1 क्रूज मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। वहीं कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनके हवाई क्षेत्र में 14 मिसाइल और 12 ड्रोन देखे गए, जबकि इससे एक रात पहले 17 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला था।

फिलीपींस रूस से 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदेगा : फिलीपींस की एकमात्र तेल रिफाइनरी कंपनी पेट्रोन कॉर्प ने रूस से करीब 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदने का फैसला किया है। कंपनी ने फिलीपींस स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बाद से करीब 40 लाख बैरल तेल की सप्लाई रद्द हो चुकी थी। इसके बाद मजबूरी में रूस से तेल खरीदने का निर्णय लिया गया।

मस्जिद के बाद इजरायल ने चर्च पर लगाया ताला! कार्डिनल की एंट्री रोक से भड़के ईसाई

येरुशलम, एजेंसी। इजरायली पुलिस ने रविवार को वेटिकन के बड़े कार्डिनल पियरबतिस्ता पिज्जाबल्ला को यरूशलम के चर्च ऑफ द होली सेपल्चर में प्रवेश करने से रोक दिया, जहां वे पाम संडे मास (संडे प्रार्थना सभा) में भाग लेने जा रहे थे। यह घटना सदियों में पहली बार हुई जब किसी कार्डिनल को चर्च में प्रवेश से रोका गया।

चर्च के अधिकारियों के अनुसार, कार्डिनल पिज्जाबल्ला, जो पिछले साल पोप बनने के संभावित दावेदारों में से एक थे, बिना किसी जुलूस या औपचारिक अनुष्ठान के निजी तौर पर प्रवेश कर रहे थे। वे फादर फ्रांसेस्को इलपो के साथ थे, जब सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें रोक दिया गया।

विवाद बढ़ने के बाद झुकी नेतन्याहू सरकार : हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रात में कार्डिनल को चर्च में प्रवेश की अनुमति दे दी। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं इस चिंता को समझता हूं, लेकिन जैसे ही मुझे कार्डिनल पिज्जाबल्ला के साथ हुई घटना के बारे में पता चला, मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पैट्रिआर्क को उनकी इच्छा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करने की अनुमति दी जाए।' नेतन्याहू ने कहा कि रोक के पीछे सुरक्षा कारण थे, खासकर ईरान के हमलों के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया। इजरायल ने युद्ध शुरू होने के बाद से सभी बड़े धार्मिक जमावड़ों पर प्रतिबंध लगा रखा है, जिसमें मस्जिद अल-अक्सा में नमाज पर भी पाबंदी शामिल है।

इटली के साथ कूटनीतिक तनाव : इजरायल के इस कदम से इटली के साथ कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि उन्होंने इस घटना पर इजरायल के राजदूत को तलब किया है। वेटिकन ने भी कार्डिनल के प्रवेश से रोके जाने की निंदा की है और कहा है कि यह कदम ईसाई धर्म के पवित्र स्थलों की स्वतंत्र धार्मिक प्रथाओं के अधिकार के खिलाफ है।

ईसाई समुदाय इजरायल के खिलाफ गुस्सा : दुनियाभर के ईसाई समुदाय में इजरायल के खिलाफ गुस्सा देखा गया है। यरूशलम का चर्च ऑफ द होली सेपल्चर ईसाई धर्म के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है।

जिस एयरपोर्ट पर खड़ा था डोनाल्ड ट्रंप का विमान, मच गई अफरा-तफरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार क अफरा-तफरी मच गई और एफ-16 विमानों को तैनात कर दिया गया। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहीं मौजूद थे और उनका एयरफोर्स वन विमान वॉशिंगटन डी के लिए उड़ान भरने वाला था।वाइट हाउस के मुताबिक एक सिविलियन एविएशन प्लेन से संपर्क कटने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहर करीब 1 बजे के आसपास एक विमान ने टेंपररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन का उल्लंघन किया।

इसके बाद उस विमान को सुरक्षित रूप से वहां से अल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक विमान के पायलट से संपर्क स्थापित करने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। फ्लेयर्स को आसमान में छोड़ा जाता है और ये वहीं जलकर खाक हो जाते हैं। जमीन पर इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। वाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस ने इस बात की पुष्टि की है कि इस घटनाक्रम को कोई प्रभाव डोनाल्ड ट्रंप और उनके विमान पर नहीं पड़ा है। वाइट हाउस ने बताया कि एक विमान का संपर्क अचानक एटीसी से टूट गया था। हालांकि थोड़ी देर में फिर सेसंपर्क स्थापित हो गया। एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की ड्रोन गतिविधि नहीं देखी गई है। कुछ लोगों ने कहा कि एयरपोर्ट पर ड्रोन की गतिविधियां देखी जाने के बाद ग्राउंड स्टॉप किया गया था। सिक्योरिटी स्टाफ के मुताबिक इस घटनाक्रम के बाद कुछ हेलिकॉप्टरों के जरिए एयरस्पेस की भी जांच करवाई गई है। वहीं सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने कहा कि किसी डर की वजह से हेलिकॉप्टर नहीं उड़ाए गए थे। जानकारी के मुताबिक पाम बीच एयरपोर्ट पर अब संचालन सामान्य है। सऊदी अरब, मिस्र, तुर्किये और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने चतुष्पक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान रविवार को इस्लामाबाद में पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। पश्चिम एशिया सघर्ष ने क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर व्यवधान पैदा किया है।

अफगानिस्तान- पाकिस्तान में फिर संघर्ष, 1 की मौत, 12 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान की सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने रविवार को देश के कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों पर गोलाबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच फरवरी से टकराव बढ़ा हुआ है। इसे पिछले कई दशकों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे गंभीर टकराव माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। खास तौर पर पाकिस्तान तालिबान का जिक्र किया जाता है। यह समूह अफगान तालिबान से अलग है, लेकिन दोनों के बीच करीबी संबंध माने जाते हैं। अफगान तालिबान ने 2021 में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना की वापसी के दौरान सत्ता संभाली थी। हालांकि काबुल इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने दावा किया था कि पाकिस्तान के एक हवाई हमले में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि उसने किसी आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया, बल्कि एक हथियारों के गोदाम पर हमला किया था।

मोर्टार और भारी हथियारों से हमला : फितरत ने कहा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने रविवार दोपहर कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों में ग्रामीण क्षेत्रों और आम नागरिकों के घरों पर मोर्टार और अन्य भारी हथियारों से हमला किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घायल बच्चों की तस्वीरों के साथ पोस्ट लिखी है, जिसमें हमले की जानकारी दी। पाकिस्तान ने अभी तक हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में क्यों तनाव : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के दिनों में दशकों की सबसे भीषण लड़ाई हुई है। पाकिस्तान आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पाकिस्तानी तालिबान (ञ्जञ्जक्क) जैसे चरमपंथी समूहों को सुरक्षित पनाह दे रहे हैं, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। अफगान तालिबान ने अपनी जमीन पर किसी समूह को शरण देने से इनकार किया है और टीटीपी को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताता है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रही लड़ाई में बार-बार सीमा पार झड़पें हुई हैं। इसके साथ ही पाकिस्तानी वायु सेना ने अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए हैं, जिसमें राजधानी काबुल पर हमले भी शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने कहा था कि पाकिस्तान ने एक हवाई हमले में काबुल स्थित एक नशामुक्ति के अस्पताल को निशाना बनाया। इसमें 400 लोगों की मौत हुई थी।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय ने कहा है कि अभी कुल मरने वालों की संख्या की पुष्टि की जा रही है। पाकिस्तान ने मौतों के दावे को गलाता बताया है और आम नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है। पाकिस्तान का कहना है कि उसे गोला बारूद के एक गोदाम पर हमला किया था।

ईरान के कुवैत स्थित प्लांट पर हमले में भारतीय की मौत, संघर्ष में अब तक 8 भारतीयों की जान गई

कुवैत सिटी , एजेंसी। कुवैत सरकार ने घोषणा की कि सोमवार तड़के ईरान द्वारा किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और जल विलवणीकरण (डिसेलिनेशन) संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर कम से कम आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने सोशल साइट एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा और इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' के रूप में कड़ा निंदा की। मंत्रालय ने अरबी में कहा- 'इस हमले में एक कर्मचारी (भारतीय नागरिक) की मृत्यु हुई और भवन को गंभीर क्षति पहुंची। ' अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन और तकनीकी प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही, नुकसान को कम किया जा सके और संयंत्र के संचालन में बड़े व्यवधान से बचा जा सके। मंत्रालय ने जोर दिया कि 'बिजली और जल अवसंरचना की सुरक्षा और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता हैं' और तकनीकी टीमें किसी भी आगे के जोखिम की आशंका के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं ताकि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह घटना संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें पिछले गुरुवार को अबू धाबी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जब एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया और मलबे की वजह से वह घायल हो गया था।

तत्कालीन समय में भारतीय दूतावास ने कहा था कि वह 'यूएई अधिकारियों के साथ निकटता से काम कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को सभी संभव समर्थन और सहायता प्रदान की जा सके। ' शुक्रवार को हुई एक अंतर-मंत्रालयीय समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने कहा था कि अब तक मध्य पूर्व संघर्ष में सात भारतीय नागरिक मारे गए हैं और एक व्यक्ति लापता है। सोमवार की घटना के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई है। यह संघर्ष अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और यह तब शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर समन्वित हमले किए, जिससे क्षेत्र में व्यापक तनाव बढ़ गया। इसके बाद, ईरानी बलों ने इज़रायल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य स्थलों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र में जनहानि हुई और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा।

अंडरग्राउंड मुजतबा खामेनेई ने इराक भेजा खास मैसेज, अमेरिका की बढ़ी टेंशन

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बीच, ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक नया लिखित संदेश जारी किया है। ईरानी मीडिया ने रविवार को बताया कि इस संदेश में उन्होंने इराक के लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने ईरान के खिलाफ आक्रामकता के समय उनका समर्थन किया। मुजतबा अपने पिता और ईरानी क्रांति के संस्थापक आयतुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु के बाद से तीसरे सर्वोच्च नेता बने हैं। हालांकि, वे अब तक सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं और केवल कुछ लिखित बयान ही सामने आए हैं। उनके सार्वजनिक रूप से नहीं दिखने के कारण अमेरिकी मीडिया और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन उनकी हालत और स्थान को लेकर अटकलें लगा रहे हैं।

मुजतबा ने की इराकी जनता की तारीफ : ईरानी सरकारी टेलीविजन और कुछ अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे हवाई हमले में लगी चोटों से उबर रहे हैं। द्बस्ह्व न्यूज एजेंसी ने बताया कि संदेश में मुजतबा खामेनेई ने इराक में सर्वोच्च धार्मिक नेता और आम जनता के प्रति अपनी सराहना जताई। उनका इशारा ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी की ओर था, जो शिया इस्लाम में अत्यंत सम्मानित व्यक्तित्व हैं। यह संदेश इराक की इस्लामिक सर्वोच्च परिषद और बगदाद में ईरानी राजदूत के बीच हुई बैठक के बाद जारी किया गया। हालांकि, संदेश किस माध्यम से भेजा गया, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। ईरानी मीडिया समय-समय पर उनकी तस्वीरें प्रकाशित करता रहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि ये तस्वीरें हाल की हैं या पुरानी। उनके आधिकारिक टेलीग्राम और एक्स अकाउंट भी सक्रिय हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वाशिंगटन ईरान के किसी शीर्ष अधिकारी से बातचीत कर रहा है, लेकिन यह व्यक्ति सर्वोच्च नेता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मुजतबा खामेनेई के जीवित होने की पुष्टि नहीं है और। इन संकेतों से प्रतीत होता है कि ईरान का नया नेता किसी सुरक्षित और गुमनाम स्थान पर इलाज करा रहे हैं या सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं हुए हैं, क्योंकि इजरायल ने उनकी हत्या की धमकी भी दी थी। साथ ही, अमेरिका और ईरान के बीच परोक्ष बातचीत चल रही है, जिसमें पाकिस्तान के दूत मध्यस्थता कर रहे हैं। ट्रंप ने मीडिया को बताया कि यह वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। हालांकि, उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर किसी संघर्ष-विराम समझौते के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान खुद को ईरान और अमेरिका के बीच शांति कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा था। इसी मकसद से इस्लामाबाद में एक बड़ी कूटनीतिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल हुए। माहौल गंभीर था और सबकी नजरें इस अहम बातचीत पर टिकी थीं। लेकिन तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने पूरी चर्चा का फोकस बदल दिया। बैठक से पहले मेहमानों का स्वागत करते समय पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार का क्या है कहना? पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया कि ईरान अब पाकिस्तान के 20 जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा। यानी हर दिन दो जहाज इस अहम रास्ते से सुरक्षित निकल सकेंगे। डार ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में स्थिरता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऐसे फैसले दिखाते हैं कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है। अपनी बात को और मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पश्चिम एशिया के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी अधिकारी अराघची को भी टैग किया। कुल मिलाकर, डार का संदेश साफ था- तनाव के बीच भी बातचीत से ही हल निकल सकता है, और यही रास्ता आगे की शांति तय करेगा।

पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल : एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। वजह है उसका ए क्यू खान नेटवर्क से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड- यह वही नेटवर्क (ग्लोबल न्यूक्लियर स्मगलिंग चेन) था जिसने ईरान, लीबिया और नॉर्थ कोरिया जैसे देशों को परमाणु तकनीक पहुंचाई थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब पाकिस्तान खुद को मध्यस्थ (गार्डियन) के रूप में पेश कर रहा है- जैसे ईरान तक अमेरिका का प्रस्ताव पहुंचाने या बातचीत करवाने की कोशिश- तो क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। अधिकारियों ने बाद में बताया कि डार को कोई चोट नहीं आई है और बैठक बिना किसी रुकावट के तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रही। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा है और लोग इस वीडियो को लेकर मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान में रविवार को एक अहम चार-पक्षीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मिस्र, तुर्की और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा हुई है ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रियों ने क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की और सुरक्षा मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए क्षेत्र में व्यापक शांति के विकल्पों पर मंथन किया। यह शिखर सम्मेलन अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता में देरी के बीच हुई है। हालांकि बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया गया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के अनुसार, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्री शनिवार को इस्लामाबाद पहुंच चुके थे, जबकि सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद रविवार को पहुंचे। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि दौरे पर आए विदेश मंत्री 'क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर गहन चर्चा' करेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)